प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक 05-10-2020

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के हैदराबाद केंद्र के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन कार्यक्रम

दिनांक 05.10.2020 (सोमवार) को माननीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार और केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, आगरा के अध्यक्ष डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' के कर कमलों द्वारा केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के क्षेत्रीय केंद्र हैदराबाद के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन ऑनलाइन माध्यम से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में श्री सी.एच. मल्ला रेड्डी, श्रम, रोजगार महिला और बाल विकास मंत्री, तेलंगाना सरकार तथा श्री अनिल शर्मा 'जोशी', माननीय उपाध्यक्ष, केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, आगरा उपस्थित रहे। सान्निध्य श्री जी. सायन्ना, माननीय विधायक, सिकंदराबाद छावनी; श्री एन. रामचंद्र राव, माननीय विधायक, हैदराबाद, तेलंगाना। केंद्रीय हिंदी संस्थान मुख्यालय, आगरा से प्रो. बीना शर्मा, निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा तथा केंद्रीय हिंदी संस्थान परिवार के सभी सदस्यों, देशभर के अनेक विद्वज्जनों, छात्रों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा की निदेशक प्रो. बीना शर्मा ने अपने उद्बोधन में माननीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक', कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री सी.एच. मल्लारेड्डी, श्रम, रोजगार, महिला और बाल विकास मंत्री, तेलंगाना सरकार, श्री जी. सायन्ना, माननीय विधायक, सिकंदराबाद छावनी; श्री एन. रामचंद्र राव, माननीय विधायक, हैदराबाद, तेलंगाना, श्री अनिल शर्मा 'जोशी', उपाध्यक्ष, केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, आगरा का स्वागत किया।

निदेशक महोदया के स्वागत वक्तव्य के बाद माननीय शिक्षा मंत्री भारत सरकार डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से शिला पट्टिका का अनावरण किया। इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए आपने कहा कि यह गौरव का विषय है कि हम सब एक अच्छे कार्य के लिए संकट के समय में एकत्रित हुए हैं। हम सभी एक ऐसे भवन के उद्घाटन के लिए एकत्रित हुए हैं जो हिंदी सीखने-सिखाने के लिए लगातार प्रयासरत है। तेलंगाना सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि एक अच्छे संस्थान को भूमि उपलब्ध कराई गई है इसलिए कार्यक्रम में उपस्थित श्री सी.एच. मल्ला रेड्डी, माननीय श्रम, रोजगार, महिला और बाल विकास मंत्री, तेलंगाना सरकार से कहूँगा कि मेरी ओर से तेलंगाना सरकार के मुख्य मंत्री को इस कार्य के लिए शुभकामनाएँ दें। हम सभी गांधी के सपने को साकार कर रहे हैं जिसमें हमें देश की 22 भाषाएँ जो संविधान की अनुसूची में सम्मिलित हैं, को और सशक्त करने का कार्य करना है और इन सबको जोड़ने का महत्वपूर्ण दायित्व हिंदी पर है। आवश्यकता इस बात की है कि हिंदी की सशक्तता के लिए इन 22 भाषाओं से शब्द लेकर उसका सामर्थ्य बढ़ाया जाए। यही एक ऐसी भाषा है जिसमें लालित्य भी है, शब्द-भंडार भी है। संभवतः यही एक ऐसी भाषा होगी जिसकी 09 लाख से अधिक शब्द-संपदा है और यह ताकत अवश्य ही देश की इन 22 भाषाओं से मिलती है।

नई शिक्षा नीति में हम मातृभाषा को लेकर आए हैं। भाषा शब्द नहीं है, भावना है। भाषा में परंपरा है, संस्कृति है, जीवन-मूल्य हैं। हम इन भाषाओं को टूटने नहीं दे सकते।

केंद्रीय हिंदी संस्थान के 08 केंद्र हैं, जो हिंदी के लिए समर्पित हैं। इन 08 केंद्रों से जो लोग जुड़े हैं, मुझे उन सभी से अपेक्षा है कि हिंदी 130 करोड़ लोगों से संपर्क की भाषा बने। आज हैदराबाद केंद्र के इस भवन का उद्घाटन पद्मभूषण श्री मोटूरि सत्यनारायण जी की धरती पर हुआ है जो कि महात्मा गांधी के अनन्य अनुयायी थे। आज भाषाओं के लिए हमें संकल्प करने की आवश्यकता है। महात्मा गांधी ने कहा था कि जिस राष्ट्र की राजभाषा नहीं, वह गूँगा है। हमारी सभी भाषाएँ समान हैं और सभी भाषाओं को एक सूत्र में पिरोने वाली हिंदी को हमें सशक्त करना है।

मातृभाषा में बहुत से देशों ने शिक्षा की व्यवस्था की है। जर्मनी, फ्रांस, जापान, इज्राइल आदि देशों के उदाहरण हमारे सामने हैं। इन सभी देशों ने मातृभाषा में पठन-पाठन कर अनुसंधान और तकनीक के क्षेत्र में बहुत प्रगति की है। हमें विदेशी भाषाओं को भी जानना है, पर अपनी जड़ों को भी नहीं छोड़ना है। भारतीय भाषा विश्वविद्यालय बनाने के लिए हम प्रयासरत हैं, जिससे अलग-अलग क्षेत्रों के लोग अलग-अलग राज्यों की भाषाओं को सीख सकें। बहुत आवश्यक है कि उत्तर के लोग दक्षिण की भाषाओं को सीखें और दक्षिण के लोग उत्तर की भाषाओं को जानें। एक-दूसरे की संस्कृति, परंपरा, खान-पान से परिचित हों, तभी यह देश एक होगा। माननीय प्रधानमंत्री जी भारत की क्षेत्रीय भाषाओं के विकास को लेकर बहुत चिंतित हैं। उनके मन में भी है – एक भारत श्रेष्ठ भारत। राज्यों से मेरा अनुरोध है कि मातृभाषा में शिक्षा की व्यवस्था को लागू करें। नई शिक्षा नीति भारतीय भाषाओं को विकसित करने में आधारशिला का कार्य करेगी। इस संबंध में केंद्रीय हिंदी संस्थान की बहुत बड़ी भूमिका हो सकती है। जिस लक्ष्य की पूर्ति के लिए संस्थान की स्थापना की गई है, उन उद्देश्यों को पूरा करे। हैदराबाद केंद्र से लगभग 14 हजार छात्र/अध्यापक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। ये सभी हिंदी के राजदूत हैं। मेरा विश्वास है कि निकट भविष्य में केंद्रीय हिदी संस्थान के माध्यम से लोगों को दिशा मिलेगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सी.एच. मल्ला रेड्डी, श्रम, रोजगार महिला और बाल विकास मंत्री, तेलंगाना सरकार ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री रेड्डी ने कहा कि केंद्रीय हिंदी संस्थान के हैदराबाद केंद्र के शिलान्यास के अवसर पर भी मैं उपस्थित था। भूमिपूजन के अवसर पर माननीय मानव संसाधन विकास राज्यमंत्री, श्री सतपाल सिंह जी भी उपस्थित थे। आज इस भवन के उद्घाटन के अवसर पर भी मैं उपस्थित हूँ, यह हर्ष का विषय है। मैं तेलंगाना सरकार से अनुरोध करता हूँ कि संस्थान को 10 एकड़ भूमि और उपलब्ध कराई जाए, जिससे हिंदी प्रेमियों को भविष्य में बहुत अधिक सुविधा होगी।

धन्यवाद ज्ञापन केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, आगरा के उपाध्यक्ष श्री अनिल कुमार शर्मा 'जोशी' ने कहा कि आज सभी ने एक ऐतिहासिक भाषण सुना। आज एक ऐतिहासिक क्षण है। जब इस देश में भाषा को केंद्र में रख नई शिक्षा नीति देने वाले हमारे यशस्वी माननीय शिक्षा मंत्री के कर कमलों से केंद्रीय हिंदी संस्थान के संस्थापक की जन्मभूमि तेलुगु प्रदेश में नए भवन का उद्घाटन हुआ है। यह केवल एक भवन का उद्घाटन नहीं है। यह इस शिक्षा नीति में प्रस्तावित हिंदी और भारतीय भाषाओं के उत्थान के प्रयासों का महत्वपूर्ण पड़ाव है। संस्थान के संस्थापक स्वर्गीय मोटूरि सत्यनारायण के भारतीय भाषाओं में संवाद, सद्भावना और समन्वय के प्रयासों का भवन के रूप में प्रकटीकरण है।

मैं इस देश के करोड़ों युवाओं का भविष्य संवारने वाली उनकी संभावनाओं को लक्ष्य प्राप्ति तक अग्रसर करने वाली शिक्षा नीति देने वाले यशस्वी शिक्षा मंत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। वे केवल औपचारिक रूप से केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के अध्यक्ष नहीं हैं, उनके मन और हृदय में हिंदी और भारतीय भाषाओं के लिए सैकड़ों स्वप्न है। उनका सक्रिय मार्गदर्शन केंद्रीय हिंदी संस्थान की सबसे बड़ी शक्ति है। एक कवि, लेखक, साहित्यकार होने के नाते वे हिंदी और भारतीय भाषाओं के सामने खड़ी चुनौतियों को गहराई से जानते हैं। केंद्रीय हिंदी संस्थान निकट भविष्य में हिंदी शिक्षण-प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रमों को तैयार करने के लिए प्रयासरत है। हिंदी के विश्वव्यापी प्रसार के लिए संस्थान का यह प्रयास निश्चय ही लाभकारी होगा। मैं आज के इस अवसर पर माननीय श्री सी. एच. मल्ला रेड्डी जी का स्वागत करता हूँ। यह एक सुखद संयोग है कि वे हैदराबाद भवन के शिलान्यास के अवसर पर भी उपस्थित थे।

मैं आशा करता हूं कि जब इस भवन में कक्षाएं प्रारंभ होगी तो उस कार्यक्रम में आप की गरिमामय उपस्थिति रहेगी। मैं इस क्षेत्र के माननीय सांसद और माननीय विधायकों का भी आभार प्रकट करता हूँ जिनका इस भवन के निर्माण कार्य में निरंतर सहयोग प्राप्त हुआ। आज के इस कार्यक्रम में केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के विद्वान सदस्य शामिल हैं। उनके सफल मार्गदर्शन से संस्था निरंतर आगे बढ़ रही है, उनका बहुत आभार। मैं आपके कार्यक्रम से जुड़े सभी हिंदी तेलुगु आदि अन्य भाषाओं के भाषा प्रेमियों का आभारी हूँ। उनका सहकार हमारे लिए महत्वपूर्ण है। कोरोना काल में यह कार्यक्रम आभासी कार्यक्रम था और आभासी कार्यक्रम में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका तकनीक की होती है। इसके लिए एन.आई.सी. का भी आभारी हूँ जिन्होंने तकनीकी सुविधा उपलब्ध करवाई। हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक श्री गंगाधर वानोडे को बहुत बधाई एवं आभार। इस संपूर्ण कार्यक्रम के संयोजन और समन्वय के लिए प्रोफेसर बीना शर्मा, निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, कुलसचिव व अन्य अधिकारियों एवं उनकी पूरी टीम को बधाई। मैं आशा करता हूँ कि आप सबके मार्गदर्शन और सहयोग से संस्थान आगे भी हिंदी के प्रचार प्रसार में और भारतीय भाषा के उत्कर्ष में निरंतर नई उपलब्धियां प्राप्त करता रहेगा आप सबका बहुत-बहुत आभार। मुख्यालय, आगरा में तकनीकी समन्वय श्री अनुपम श्रीवास्तव तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योत्सना रघुवंशी का रहा।

इस अवसर पर हैदराबाद केंद्र का एक मल्टीमीडिया संदर्शन प्रस्तुत किया गया जिसमें हैदराबाद केंद्र के नवनिर्मित भवन की विशेषताओं से परिचित कराया गया। क्षेत्रीय केंद्र हैदराबाद ने 1976 से अभी तक किराए के भवन से अपनी गतिविधियों को संपन्न किया। तेलंगाना सरकार से प्राप्त भूखंड पर भूतल सहित चार मंजिला भवन का निर्माण 1000 वर्ग गज में लगभग 5.67 करोड़ रुपए की लागत से केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, हैदराबाद के माध्यम से करवाया गया है।

(डॉ. जोगेन्द्र सिंह मीणा)
मीडिया प्रभारी